सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु,

सिद्धार्थनगर–272202 उ0प्र0(भारत)

website:www.suksn.edu.in, Email Id: sidunikapilvastu@gmail.com

अधिसूचना

एतत्द्वारा समस्त सम्बंधित को सूचित किया जाता है कि **संस्कृत** विषय की शोध उपाधि समिति की सम्पन्न बैठक में संलग्न सूची के अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत शोध शीर्षक को कतिपय संशोधनों के साथ स्वीकार किया गया है।

अतः सम्बंधित शोध अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता हैं कि वें स्वीकृत शोध शीर्षक के अनुरूप शोध संक्षिप्तिका तैयार करके शोध निर्देशक एवं प्राचार्य (मोहर सहित) से अग्रसारित कराकर 15 कार्य दिवस के अन्दर विश्वविद्यालय के शोध अनुभाग में जमा कर दें, जिससे पंजीकरण की अग्रेतर कार्यवाही प्रारम्भ की जा सकें।

31/08/23

कुलसचिव
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय,कपिलवस्तु,
सिद्धार्थनगर।

पत्रांक–590/शो0अनु0/सि0वि0वि0/2023 दिनांक– 30/08/2023

प्रतिलिपिः–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव कुलपति जी, मा0 कुलपति जी को अवलोकनार्थ प्रेषित।
2. वैयक्तिक कुलसचिव, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर।
3. प्रभारी कोडिंग सेल, इस आशय से प्रेषित कि इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कराना सुनिश्चित करें ।
4. सम्बन्धित पत्रावली में संरक्षित करने हेतु।

कुलसचिव
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय,कपिलवस्तु,
सिद्धार्थनगर।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर–272202

उ0प्र0(भारत)Email Id: registrarsidduniv@gmail.com

विषय – संस्कृत

क्र0 सं0	शोधार्थी छात्र का नाम	शोध निर्देशक का नाम/पता	शोध हेतु प्रस्तावित शीर्षक	शोध हेतु स्वीकृत शीर्षक	टिप्पणी
1	बिन्दू मौर्या	डॉ0 किरन देवी, रतनसेन पी0जी0 कालेज बांसी।	म्हाकवि शूद्रक कृत मृच्छकटिकम् का सामाजिक अनुशीलन	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मृच्छकटिकम् में निहित विविधि परिदृश्य	–
2	अनुपमा पाण्डेय	डॉ0 अशोक कुमार वर्मा, जवाहर लाल नेहरू स्मा0 पी0जी0 कालेज, महराजगंज।	महाभारत में संवाद परम्परा का स्वरूप	'महाभारत वर्णित संवाद में निहित मूल्य : एक अनुशीलन'	–
3	कु0 अरून्धती दूबे		"वाल्मीकि रामायण की वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिकता"	"वाल्मीकि रामायण में वर्णित 'राम–राज्य' का सामाजिक अवदान : एक अध्ययन"	–
4	कु0ज्योति पाण्डेय	डॉ0 नन्दिता मिश्रा,जवाहर लाल नेहरू स्मा0 पी0जी0 कालेज, महराजगंज।	महर्षि मनुकृति मनुस्मृति धर्मशास्त्र में दलित चेतना	"वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मनुस्मृति प्रोक्त सामाजिक धर्म"	–
5	मीरा शर्मा		महर्षि वाल्मीकि कृत "रामायण" महाकाव्य में स्त्री–विमर्श	"महर्षि वाल्मीकिकृत "रामायण" महाकाव्य में स्त्री विमर्श"	–
6	शफीना बेगम	प्रो0 राजेश सिंह, शिवहर्ष किसान पी0जी0 कालेज, बस्ती।	श्रीमद्रुद्रकवि प्रणीत् 'नवाबखानखानाचरितम्' चम्पूकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन	"श्रीमद्रुद्रकवि प्रणीत 'नवाबखान–खानाचरितम् चम्पूकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन"	–
7	कु0 सुमित्रा	डॉ0 सरिता वर्मा, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर रा0म0वि0 महराजगंज।	"संस्कृत काव्यों में प्रकृतित्वों का समीक्षात्मक अध्ययन"	"प्रमुख सस्कृत काव्यों में 'प्रकृति–तत्व का समीक्षात्मक अध्ययन"	–
8	सीमा	प्रो0 राजेश सिंह, शिवहर्ष किसान पी0जी0 कालेज, बस्ती।	"आचार्य पारसनाथद्विवेदी कृत 'पार्वतीमंगलम्' नाटक का शास्त्रीय अध्ययन"	"आचार्य पारसनाथ द्विवेदीकृत 'पार्वतीमंगलम्' नाटक का शास्त्रीय अध्ययन"	–
9	लोक रंजन	डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार, महामाया राजकीय महाविद्यालय, श्रावस्ती।	वाल्मीकीय रामायण में चित्रित पात्रों के परिप्रेक्ष्य में लोक व्यवस्था : एक अध्ययन।	"वाल्मीकीय रामायण में वर्णित पात्र : लोक व्यवस्था"	–

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर–272202
उ0प्र0(भारत)Email Id: registrarsidduniv@gmail.com

10	सभाजीत गुप्ता	डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार, महामाया राजकीय महाविद्यालय, श्रावस्ती।	"वाल्मीकीय रामायण में वर्णित राम के विविध आदर्श : एक समीक्षात्मक अध्ययन"	"वाल्मीकीय रामायण में वर्णित राम कें विविध आदर्श : समीक्षात्मक अध्ययन"	–
11	मृत्युंजय तिवारी	डॉ0 अजय कुमार मिश्र,जवाहर लाल नेहरू स्मा0 पी0जी0 कालेज, महराजगंज।	भूषणसारीयसिद्धान्तानां न्यायमीमांसासिद्धान्तैस्सह समीक्षात्मकमध्ययनम्	"भूषणसारीयसिद्धान्तानां न्याय–मीमांसा–सिद्धान्तैस्सह समीक्षात्मकमध्ययनम्"	–
12	शैलेन्द कुमार मिश्रा	प्रो0 भारत भूषण द्विवेदी, बुद्ध विद्यापीठ पी0जी0 कालेज, सि0नगर।	महाभारत में प्रतिपादित दार्शनिक तत्वों का समीक्षात्मक अध्ययन।	"महाभारत में प्रतिपादित दार्शनिक तत्वों का अनुशीलन"	–
13	शिशिर कुमार मिश्रा		"पूर्वांचल में अध्ययनरत विभिन्न संवर्ग के विद्यार्थियों की संस्कृत विषय के प्रति जागरूकता तथा अभिवृत्ति का अध्ययन"	"महाभारत में पाप–पुण्य, शुभ–अशुभ कर्मों का विवेचनात्मक अनुशीलन"	नवीन शोध शीर्षक के अनुसार 15 दिन के अन्दर शोध संक्षेप रूपरेखा सहित प्रस्तुत करें।